

देखन काय न चली, देखन काय न चली  
उधड़दानी की बरात.

अंग-भभूति ऐंसी रमाये  
देखई मैं शरमाई- अंग भभूति---

जटा-जूट नाँगन सी लागें SSSSS 11211

देखई मैं घबराई- देखन काय---

बिछू-बर-तलैयें पहिने

गले में कारो नाग- बिछू-बर-----

चम-चम आँखे दमके ऐसी SSSSS 11211

जैसे दमके आग- देखन काय---

भूत-प्रेत-बैताल बराती

भूतन की बन आई- भूत-प्रेत-बैताल-----

संग-चुड़ैल-जिन्द-खब्बीसा SSSSS 11211

गूँज उठी शहनाई- देखन काय---

देख "श्रीबाबाश्री" बरातिन के ठंग

ब्रम्हा ऐंसे भागे- देख "श्रीबाबाश्री"-----

गौरी शंकर के दर्शन से SSSSS 11211

भाग आज हैं जागे- देखन काय---